मुख्यमंत्री भजनलाल ने भीलवाड़ा में भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल की नामांकन सभा को सम्बोधित किया। इस दौरान उन्हें मेवाड़ी पाग पहनाकर सम्मानित किया गया।

मु.मंत्री भजनलाल भीलवाड़ा में दामोदर अग्रवाल की नामांकन सभा में शामिल हुए

भीलवाड़ा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मेवाड़ी पाग और 51 किलो की फूलमाला पहनाकर मु.मंत्री का स्वागत किया

- **मु. मंत्री ने कहा, 70 साल से कांग्रेस गरीबी हटाने की बात करती रही है पर गरीबी नहीं हटी।**
- **विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी छोड़ने वाले कई नेताओं ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में भाजपा में वापसी की तथा निर्दलीय विधायक आशोक कोठारी ने भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की।**

भीलवाड़ा, 4 अप्रेल (निसं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा आज भीलवाड़ा में लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल की नामांकन सभा में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि, 70 साल से कांग्रेस गरीबी हटाने की बात करती है लेकिन गरीबी नहीं हटी। उन्होंने कहा कि, 2014 के बाद गरीब की चिंता की है तो देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की है। महिलाओं के लिए सम्मान का काम किया तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया।

उन्होंने कहा कि, जिन्होंने युवाओं के सपनों को तोड़ने का काम किया है, युवाओं को रूलाने का काम किया है, किसान के बेटों से धोखा किया है, भाजपा ने उनका सहयोग कर सहारा बनने का काम किया है। उन्होंने कहा, जिसने धोखा किया है वे सलाखों के पीछे जायेंगे। कांग्रेस राज में जो लोग फर्जी तरीके से ट्रेनिंग लेकर नौकरियां हांसिल कर रहे हैं उस पर भी कार्रवाई की जा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि, हमारी डबल ईंजन की सरकार भीलवाड़ा के विकास के लिए हर समय विकास के लिए तैयार है।

कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल वी.पी.सिंह, सांसद सुभाष बहेडिया, महामंडलेश्वर हंसराम उदासीन, विधायक अशोक कोठारी, गोपाल खंडेलवाल, गोपीचन्द मीणा, लालाराम बैरवा, उदयलाल भडाणा, जब्बरसिंह सांखला, लादूलाल पितलिया, विट्ठलशंकर अवस्थी, रामपाल शर्मा शामिल हुए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का मेवाड़ी पगड़ी व 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया।

इस सभा से पूर्व दामोदर अग्रवाल ने जिला निर्वाचन कार्यालय में अपना नामांकन पेश किया। इस समय पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया , पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी सहित भाजपा पदाधिकारी उनके साथ थे।

विधानसभा चुनावों में बागी हुए पूर्व जिलाध्यक्ष लादूलाल तेली, पूर्व यू.आई.टी. चेयरमैन एल एन डाड, उप सभापति नगर परिषद रामलाल योगी सहित अन्य नेताओ की मुख्यमंत्री भजन लाल की मोजुदगी में घर वापसी हुई। वहीं, निर्दलीय विधायक अशोक कोठारी ने भाजपा का दुप्पटा ओढ़ कर अपना समर्थन दिया।

'हमारे 19 मार्च के अंतरिम आदेश का पूरी तरह से पालन किया जाए'

नयी दिल्ली, 04 अप्रेल। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) विवाद के मामले में वरिष्ठ नेता शरद पवार और उनके भतीजे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार गुटों को 19 मार्च के (शीर्ष अदालत के) अंतरिम आदेश का पूरी तरह से पालन करने का निर्देश देते हुए एक-दूसरे के खिलाफ दायर आवेदनों का निपटारा कर दिया है।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने राकांपा अजीत पवार गुट को निर्देश दिया कि वह शीर्ष के अंतरिम आदेश का पालन सुनिश्चित करते हुए चुनावी विज्ञापनों में अधिक प्रमुखता के साथ यह उद्घोषणा

- **सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार और उनके भतीजे को निर्देश दिया ।**

प्रकाशित करें कि, घड़ी प्रतीक (चुनाव चिन्ह) का मामला अदालत के विचाराधीन है। पीठ ने इसी प्रकार से शरद पवार गुट को भी निर्देश दिया कि, अंतरिम आदेश का पालन करते हुए वह घड़ी प्रतीक का उपयोग न करें। आगामी चुनावों के लिए उसे दिए गए तुरही प्रतीक का इस्तेमाल करने के निर्देश का पालन करे। पीठ ने वरिष्ठ नेता शरद पवार गुट की याचिका पर अजीत पवार समूह से गुरुवार की सुनवाई के दौरान पूछा था कि, क्या उसने शरद पवार के नाम और राकांपा की घड़ी चिह्न का उपयोग करते हुए यह उद्घोषणा करने के साथ अदालती आदेश का पालन किया था कि, इस चुनाव चिह्न का आवंटन न्यायालय के विचाराधीन है।

पूर्व मंत्री भाया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका में कहा गया है कि, उसके खिलाफ नगर पालिका, मांगरोल की ओर से जारी टैंडर को लेकर गत 8 मार्च को रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिसमें याचिकाकर्ता व अन्य पर आरोप लगाया गया था कि, विधानसभा चुनाव में लाभ पहुंचाने के लिए टेंडर जारी किए गए और नोटशीट में कांटछांट की गई। याचिका में कहा गया कि, कलेक्टर की ओर से दिए आदेश की पालना में एस.डी.ओ. ने जांच की थी। जिसमें सामने आया कि, आचार संहिता लागू होने के बाद टैंडर की कार्रवाई रोक दी गई थी और कार्य आदेश भी जारी नहीं हुआ था। इस जांच के करीब पांच माह बाद एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। याचिका में कहा गया कि, नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष ओमप्रकाश ने यह एफ.आई.आर. राजनीतिक द्वेषता के चलते दर्ज कराई है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले में तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। गौरतलब है कि, अंता थाने में भी प्रमोद जैन भाया के खिलाफ समान प्रकृति का मामला दर्ज हुआ था। हाईकोर्ट ने उस मामले में प्रमोद जैन भाया की गिरफ्तारी पर रोक लगा रखी है।

चित्तौड़ में आंजना का नामांकन भरवाने पहुंचे सचिन पायलट और खड़गे

चित्तौड़गढ़ से कांग्रेस के सांसद प्रत्याशी उदयलाल आंजना के समर्थन में गुरुवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने चुनावी सभा को संबोधित किया। इस जनसमर्थन सभा में करीब 40 हजार से ज्यादा आमजन और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

- **नामांकन के लिए हुई महारैली से पूर्व विशाल जन आशीर्वाद सभा भी हुई, जिसे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सचिन पायलट, प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा तथा मावली विधायक पुष्कर डांगी ने संबोधित किया।**
- **खड़गे ने कहा, भाजपा वाले परिवारवाद की बात करते हैं पर राजीव गांधी की मृत्यु के बाद उनके परिवार का कोई भी व्यक्ति प्रधानमंत्री नहीं बना है। सोनिया गांधी के पास अवसर आया पर उन्होंने अर्थशास्री डॉ. मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाया।**
- **पायलट ने कहा, भाजपा ने 300 पार होने के बाद नोटबंदी और जी.एस.टी. लगाकर जनता की कमर तोड़ दी थी, इस बार 400 पार आ गए तो लोकतंत्र को खत्म कर देंगे।**

चित्तौड़गढ़ , (निसं)। 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी उदयलाल आंजना ने गुरुवार को अपना नामांकन रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया। उदयलाल आंजना की नामांकन महारैली से पूर्व जन आशीर्वाद महासभा आयोजित की गई, जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, गोविन्द सिंह डोटासरा,पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, मावली विधायक पुष्कर डांगी आदि शामिल हुए।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि, भाजपा इस बार 400 पार का नारा दे रही है, पिछली बार 300 पार होने के बाद उन्होंने नोटबंदी और जीएसटी लगाकर आम आदमी की कमर तोड़ दी थी। यदि इस बार 400 पार आ गए तो यह लोग अपने मन की हर इच्छा पूरी करेंगे लोकतंत्र को खत्म कर देंगे, संविधान को मिटा कर रख देंगे। इसलिए हम सबको मिलकर इस बार लोकतंत्र को और संविधान को बचाना है।

खड़गे ने कहा कि, भाजपा वाले परिवारवाद की बात करते हैं, जबकि राजीव गांधी की मृत्यु के बाद से उनके परिवार से कभी कोई प्रधानमंत्री नहीं बना है। जब सोनिया गांधी जी के पास प्रधानमंत्री बनने का अवसर आया भी तो उन्होने कुर्सी का त्याग करते हुए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के रूप में एक अर्थशास्री देश को दिया।

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि, भाजपा राज में चीन हमारी भूमि पर कब्जा करता जा रहा है,लोकसभा से सांसदों को निकाला जा रहा है, नेताओं को ईडी और सीबीआई से डराया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि, दो अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में मुख्यमंत्री भजनलाल, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित कई दिग्गज चित्तौड़गढ़ आए थे, उस दिन चित्तौड़गढ़ में इसी स्थान पर आयोजित सभा में लगभग 20000 लोग मौजूद थे वहीं आज की भीड़ का आकलन करके लोगों की संख्या 40,000 से अधिक बताई जा रही है।

'सैनिक स्कूलों के प्रबंधन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्कूलों में यह अनुबंध किया गया है, उनमें से 62 प्रतिशत स्कूलों को आर.एस.एस., भाजपा और अन्य हिन्दुत्व संगठनों से जोड़ा गया है।

माकपा महासचिव, सीताराम येचुरी ने गुरूवार को चेतावनी दी कि, हिन्दुत्व विचारधारा से प्रभावित सैन्य संस्थाएं, भारतीय सशस्त्र सेनाओं के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को कमजोर कर सकती हैं। येचुरी ने पार्टी के बयान को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए कहा, यह कदम सैनिक संस्थानों का विनाश कर सकता है।

माकपा के वक्तव्य में कहा गया है कि, पारम्परिक तौर पर, सैनिक स्कूलों का संचालन, स्वायत्त सैनिक स्कूल सोसायटी करती रही थी। सैनिक स्कूलों ने छात्रों को प्रमुख नैशनल डिफेंस एकेडमी और इण्डियन नेवल एकेडमी में प्रवेश पाने के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। माकपा के बयान के अनुसार, "अंततः सैनिक स्कूलों से पास करने वाले छात्र, बड़ी संख्या में भारतीय रक्षा बलों में उच्च पदों पर आसीन होते हैं। यह नई नीति, निजी-जन सहभागिता मॉडल के तहत केवल वित्तीय और आधारभूत संरचना साझा करने तक ही सीमित नहीं है। माकपा का बयान आगे कहता है, "अब बड़ी संख्या में भाजपा और आर.एस.एस. से जुड़ी हुई संस्थाएं सैनिक स्कूलों के संचालन को अपने हाथ में ले लेंगी।" कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भी बुधवार को इस नीति की कड़ी आलोचना की थी। इस कदम को उन्होंने सैनिक स्कूलों के मानदंडों के प्रति "शॉकिंग" असम्मान बताया था। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर लिखा, "यह बेशर्म सरकार भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और इसकी शिक्षा नीति से इस तरह समझौता कैसे कर सकती है। अग्निवीर स्कीम पहले से ही हमारे सशस्त्र बलों के प्रोफेशनलिज़्म (कुशलता) पर एक हमला है। अब इस कदम से हमारे सैनिकों को दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित बनाने वाले मानदंडों के प्रति "शॉकिंग" असम्मान भी शामिल हो गया है। कृपसा इस निर्णय को वापस लीजिए।"

भाजपा ने कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होना चाहिए। चाहे वे खुद हों, हरियाणा के सी.एम. नायब सिंह हो या खट्टर हों।

उन्होंने पोस्ट में कहा, मेरा इरादा हेमा जी या किसी को भी आहत करने का नहीं था। मैंने तो साफ कहा था कि हम हेमा जी का सम्मान करते हैं वे हमारी बहू हैं। भाजपा महिला विरोधी है और झूठ फैलाती है।

सुरजेवाला की टिप्पणी के विवाद पर हेमा ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है वे इस समय मथुरा में प्रचार में व्यस्त हैं, जहां से वे वर्ष 2014 से सांसद हैं। सुरजेवाला पर प्रहार करते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस की एक मात्र पहचान नारी शक्ति का अपमान करना ही है। उन्होंने कहा, नारी शक्ति का अपमान कांग्रेस की एकमात्र पहचान है और सुरजेवाला के महिला विरोधी, क्रूर, घ्रणित बयान से एक बार फिर यह साबित हो गया है। उन्होंने हेमा मालिनी जी के लिए जो कहा है उसे दोहराया तक नहीं जा सकता।"

कांग्रेस महासचिव सुरजेवाला कांग्रेस के नवीनतम नेता हैं जो चुनावों में सुर्खियों में आए हैं। इससे पहले सुप्रिया श्रीनाते और भाजपा के दिलीप घोष को चुनाव आयोग से उनकी टिप्पणियों व सोशल मीडिया पोस्ट के लिए चेतावनी मिल चुकी है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने भी थामा भाजपा का दामन

गौरव ने गुरूवार को सुबह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इस्तीफा भेज दिया

- **गौरव ने लिखा कि, वे सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकते और देश के वैल्थ क्रिएटर्स को गाली नहीं दे सकते, इसलिए इस्तीफा दे रहे हैं।**
- **गौरव वल्लभ की छवि तेजतर्रार प्रवक्ता की है तथा न्यूज़ चैनलों पर कांग्रेस के बचाव में वे काफी मुखर और हाजिर जवाब माने जाते रहे हैं।**

उदयपुर, 4 अप्रेल (कासं)। इन दिनों लोकसभा चुनाव से पहले एक के बाद एक कांग्रेस नेता पार्टी का दामन छोड़ते जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब नया नाम कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ का जुड़ा है। गुरुवार को पार्टी से इस्तीफा देने के बाद गौरव भाजपा में शामिल हो गए।

सुबह ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर उन्होंने इस्तीफा दिया था। गौरव ने पत्र में खड़गे से कहा कि, वे न तो सनातन विरोधी नारे लगा सकते हैं और न ही सुबह-शाम देश के वैल्थ क्रिएटर्स को गाली दे सकते हैं। इसी वजह से पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं। ज्ञातव्य है कि, कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में गौरव वल्लभ को उदयपुर सीट से मैदान में उतारा था, लेकिन वे भाजपा के ताराचंद जैन से 32 हजार से ज्यादा वोटों से हार गए थे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को लिखे पत्र में गौरव ने कहा, पिछले कुछ दिनों से पार्टी के स्टैंड से असहज महसूस कर रहा हूं। जब मैंने कांग्रेस पार्टी जॉइन की तब मेरा मानना था कि, कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है, जिसमें सभी के आइडिया की कद्र होती है, लेकिन ऐसा नहीं है। पार्टी का ग्राउंड लेवल कनेक्ट पूरी तरह से टूट चुका है और वह नए भारत की आकांक्षा को बिल्कुल भी नहीं समझ पा रही है। इसी वजह से पार्टी न तो सत्ता में आ पा रही और न ही मजबूत विपक्ष की भूमिका निभा पाग रही हैं। बडे नेताओं और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच की दूरी पाटना बेहद कठिन है, जो कि राजनैतिक रूप से जरूरी है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कांग्रेस पार्टी के स्टैंड से मैं परेशान हूं। मैं जन्म से हिंदू और कर्म से शिक्षक हूं। पार्टी और गठबंधन से जुड़े कई लोग सनातन के विरोध में बोलते हैं और पार्टी का उस पर चुप रहना, स्वीकृति देने जैसा है। इन दिनों पार्टी गलत दिशा में आगे बढ़ रही है।

उल्लेखनीय है कि, चुनावी मैदान में फेल रहे गौरव वल्लभ की गिनती कांग्रेस पार्टी के तेजतर्रार प्रवक्ताओं में होती है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने गौरव वल्लभ को जमशेदपुर पूर्व विधानसभा सीट से तत्कालीन मुख्यमंत्री और भाजपा प्रत्याशी रघुवर दास के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा था। लेकिन उस चुनाव में रघुवर दास और गौरव वल्लभ दोनों पराजित हो गए। इस चुनाव में निर्दलीय सरयू राय को जीत मिली थी। गौरव वल्लभ भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा से एक टीवी डिबेट के बाद पूरे देश में चर्चा में आए।

दरअसल एक हिन्दी चैनल पर बहस के दौरान संबित पात्रा पांच ट्रिलियन की भारतीय अर्थव्यवस्था की बात कर रहे थे। इस बहस में उनके सामने मौजूद गौरव वल्लभ ने उनसे पूछ लिया कि, एक ट्रिलियन में कितने शून्य होते हैं। संबित पात्रा ने इस पर गोलमोल जवाब देते हुए अंग्रेजी में कहा कि, ये सवाल राहुल गांधी से पूछा जाना चाहिए। इसके बाद गौरव वल्लभ चर्चा में आए थे।

देश भर में आपात हवाई पट्टियां बिछाएगी वायु सेना

नयी दिल्ली, 04 अप्रेल। वायु सेना अपने विमानों को आपात स्थिति में कहीं भी उतारने के लिए देश भर में विभिन्न राज्यों में आपात हवाई पट्टी सुविधाओं का जाल बिछाने पर काम कर रही है।

वायु सेना ने गगन शक्ति अभ्यास के दौरान पिछले सप्ताह ही कश्मीर घाटी में उत्तरी सेक्टर में इसी तरह की आपातकालीन हवाई पट्टी पर चिनूक हेलिकॉप्टर, एम आई 17 और उन्नत हल्के ध्रुव हेलिकॉप्टर को उतारकर बड़ी संख्या में सैनिकों को वहां पहुंचाया।

अंततोगत्वा 20...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हाईकोर्ट के जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ के समक्ष पेश हुए। उन्होंने अदालत को बताया कि, याचिकाकर्ता कर्मचारियों को वेतन भुगतान कर दिया है। इस पर अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि, जब तक राज्य सरकार के अफसरों को नहीं बुलाते तब तक कोई कार्रवाई नहीं होती है। यदि आपका वेतन नहीं रोकते तो याचिकाकर्ताओं को भी उनका बकाया वेतन नहीं मिलता। यह रवैया सरकारी अफसरों की कार्यशैली को बताता है। अदालत ने जब उनसे पूछा कि, एक साल से कर्मचारियों का वेतन मामला क्यों लंबित रखा गया, तो प्रमुख उच्च शिक्षा सचिव ने कहा कि, उन्होंने तो एक महीने पहले ही कार्य ग्रहण किया है और आगे से इस संबंध में ध्यान रखा जाएगा।

याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि, अदालत ने पिछली सुनवाई पर डॉ. संजय कुमार यादव व अन्य की याचिका पर निर्देश दिया था कि, यदि याचिकाकर्ताओं का बकाया वेतन नहीं दिया जाता है तो प्रमुख उच्च शिक्षा सचिव का भी आगामी महीने का वेतन रोका जाए। इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख उच्च शिक्षा सचिव को भी तलब किया था।

- **हाई कोर्ट ने प्रमुख उच्च शिक्षा सचिव का वेतन रोकने का आदेश दिया तो, राज्य सरकार के अधीन आए निजी कॉलेज के दस कर्मचारियों को उनका 20 माह से रूका वेतन मिल गया।**

तेलंगाना में कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उम्मीदों के विपरीत बी.आर.एस. और भाजपा कोई औपचारिक आपसी समझ विकसित करने अथवा गठबंधन बनाने में विफल रहे। यदि ऐसा हो जाता तो कांग्रेस के लिए संघर्ष कठिन हो सकता था। लेकिन तेलंगाना में दीर्घकालीन मंसूबी पाले बैठी भाजपा यहां ऐसे जाहिर करती रही जैसे की उसे यहां से ज्यादा मतलब नहीं है। शायद भाजपा ने ही पहले तो क्षेत्रीय पार्टी को प्रभावहीन किया और यह माना कि कांग्रेस से तो बाद में निपट लिया जाएगा। भाजपा उत्तर भारत में मजबूत स्थिति में है और हिंदी भाषी राज्यों में उसके लोकसभा की अधिकांश सीटें जीतने की उम्मीद है। उसने तेलंगाना में हिसाब लगाकर जोखिम लेकर अपने दम पर चुनाव लड़ने का विकल्प चुना है। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा यहां से चार सीटों पर विजयी रही थी। तेलंगाना में भाजपा की राह आसान नहीं है। वह शायद अपनी पहले जितनी सीटें ही बरकरार रख पाए, या सबसे बुरी स्थिति में कुछ सीटें हार भी सकती है, लेकिन बी.आर.एस. के तो अपना जनाधार और सीटें कांग्रेस को सुपुर्द की संभावना है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस यहां एक भी सीट नहीं जीत सकी थी और इस बार वह जितनी भी सीटें जीतेगी वह उसकी बढ़त ही मानी जाएगी। तेलंगाना से 17 सांसद निर्वाचित होकर लोकसभा में जाते हैं।

22 नेताओं ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेताओं ने कहा कि, उन्होंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं दिए गए, बल्कि पैसे लेकर टिकट बेचे गए।

इस्तीफों की यह लहर पार्टी कार्यकर्ताओं की शिकायतों से उपजी है, आरोप लगाए जा रहे हैं कि, पैसे लेकर टिकट बांटे गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बिहार में शुक्रवार को चुनाव अभियान लॉन्च करने से एक दिन पहले पासवान की पार्टी के नेताओं ने इस्तीफे दिए हैं।

पासवान की एल.जे.पी. से इस्तीफा देने वालों में कुछ प्रमुख नेता हैं रेणु कुशवाहा, पूर्व विधायक व एल.जे.पी. के राष्ट्रीय महासचिव सतीश कुमार, राज्य संगठन मंत्री रवीन्द्र सिंह, अजय कुशवाहा, संजय सिंह व स्टेट जनरल सैक्रेटरी राजेश डांगी।

चिराग पासवान की पार्टी पांच सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े कर रही है, जिसमें हाजीपुर भी शामिल है। अन्य सीटें हैं, वैशाली, समस्तीपुर, खगरिया और जमुई। बिहार में भाजपा 17 सीटों पर, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली पार्टी, जनता दल (यू) 16 सीटों पर और जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाली पार्टी हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा व राष्ट्रीय लोक समता पार्टी एक-एक सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं।

मांडलगढ़ से कांग्रेस के पूर्व विधायक विवेक धाकड़ ने हाथ की नसें काटकर आत्महत्या की

पुलिस के अनुसार विवेक धाकड़ ने हाथ की नसें काटने से पहले फांसी लगाने का प्रयास भी किया था

- **विवेक धाकड़ ने जिस कमरे में आत्महत्या की, वहां एक सुसाइड नोट मिला है, जिसकी जांच की जा रही है।**
- **विवेक के पिता कन्हैया लाल धाकड़ भीलवाड़ा जिला परिषद के जिला प्रमुख रह चुके हैं। उनकी पत्नी सरकारी सेवा में हैं तथा एक बेटी शेफाली है।**
- **48 वर्षीय विवेक धाकड़ का शव बिजौलिया के माजीसा खेड़ा ले जाया गया, जहां उनके शव को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया और फिर शाम 5 बजे अंतिम संस्कार किया गया।**
- **कई नेता और विधायक उनके अंतिम दर्शनार्थ पहुंचे।**

मांडलगढ़/भीलवाड़ा, 4 अप्रेल (निसं)। भीलवाड़ा जिले की मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस से विधायक रहे विवेक धाकड़ ने गुरुवार सुबह अपने हाथ की नसें काटकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पूर्व उन्होंने एक सुसाइड नोट भी लिखा है। पूर्व विधायक विवेक धाकड़ के पिता, इंजीनियर कन्हैयालाल धाकड़ भी भीलवाड़ा जिला परिषद के जिला प्रमुख रह चुके हैं। विवेक की पत्नी सरकारी सेवा में हैं ओर उनके एक बेटी है।

भीलवाड़ा शहर के सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि, आज सुबह यह सूचना मिलने पर कि, पूर्व विधायक विवेक धाकड़ ने आत्महत्या कर ली है और उनका शव हॉस्पिटल मोर्चरी में रखा हुआ है, हम अस्पताल पहुंचे। फिर हमने पूर्व विधायक विवेक धाकड़ के निवास पर उस कमरे की तलाशी ली जहाँ उन्होंने आत्महत्या की थी। वहाँ हमें एक सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में जो तथ्य थे उसकी हम विस्तृत जांच करेंगे। प्रथम दृष्टया ग्रह कलेश का मामला ही लगता है। बताया जा रहा है कि, विवेक धाकड़ ने आत्महत्या करने के लिए अपने कमरे में ब्लेड से अपने दोनों हाथों की कलाई की नसें काट ली थीं और इससे पूर्व फांसी लगाने का प्रयास भी किया था।

पूर्व विधायक विवेक धाकड़ ने अपने सुसाइड नोट में, दिल से पापा, दीदी, बेटी शेफाली एवं समस्त सहयोगी व समर्थकों से माफी मांगते हुए अंगदान करने की इच्छा जताई है। धाकड़ ने अपने सुसाइड नोट में अपनी सारी संपत्ति का हक़दार भी अपने पिता को ही बताया है।

जानकारी के अनुसार, मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र से 48 वर्षीय पूर्व विधायक विवेक धाकड़, पुत्र कन्हैयालाल धाकड़ शहर के सुभाषनगर इलाके में छोटी पुलिया के पास परिवार सहित रह रहे थे। गुरुवार सुबह वे इसी आवास में अचेत मिले, उनके हाथ की नसें कटी हुई थीं। धाकड़ को एम.जी. अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलने पर डीएसपी श्याम सुंदर विश्नोई, सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर मय जाब्ता विवेक धाकड़ के आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने छानबीन की।पुलिस का कहना है कि घटना के वक्त इस मकान में धाकड़ के पिता, पत्नी व बेटी मौजूद थे।

विवेक के चाचा प्यारचंद धाकड़ ने सुभाषनगर थाना पुलिस को रिपोर्ट दी कि, विवेक सुबह उठे, इसके बाद वे बाथरूम में गये, जहां फिसलकर गिरने से किसी नुकिली वस्तु से उनके हाथ में चोट लगी। इसके बाद उन्हें एमजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

भीलवाड़ा में पोस्टमार्टम के बाद विवेक के शव को बिजौलिया के माजीसा का खेडा ले जाया गया, जहाँ उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया।

बिजौलियां स्थित धाकड़ विद्यापीठ विद्यालय पर उनके पार्थिव देह को बेगू विधायक सुरेश धाकड़, राष्ट्रीय काँग्रेस के महासचिव धीरज गुर्जर, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी समेत तमाम राजनीतिक दल के नेताओं और हजारों समर्थकों ने पुष्पांजलि अर्पित कर धाकड़ को श्रद्धांजलि दी। वही शाम 5 बजे उनका अंतिम संस्कार किया गया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908